एक बार आजा मैया | By Manisha Singh

एक बार आजा मैया शेर पे सवार
झोली विच पाजा मैया खुशियां दे हार

लाल लाल चुन्नियाँ की रस्सी बनाउंगी
ऊँची उन्धी डाली मैया झूला सजाऊंगी
स्वर्ण जड़ित चौकी पे बैठी झुलावे सेवादार
झोली विच पाजा मैया खुशियां दे हार

बुलावे जो बेटा तू माँ देर ना करती
झूठे हैं सब नाते माँ ख़याल तू रखती
चरणों में चारो धाम हैं सच्चा दरबार
झोली विच पाजा मैया खुशियां दे हार

राजा और भिखारी आये बन के सवाली
गया ना कोई मैया तेरे दर से खाली
नौ नवराते सज्जन छाई घर घर बहार
झोली विच पाजा मैया खुशियां दे हार

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%8f%e0%a4%95-%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%b0-%e0%a4%86%e0%a4%9c%e0%a4%be-%e0%a4%ae%e0%a5%88%e0%a4%af%e0%a4%be-by-manisha-singh/